**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**11.12.2024 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 2715 का उत्तर**

**तमिलनाडु में रेल लाइनों का विद्युतीकरण**

**2715. श्री नवसकनी के.:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) तमिलनाडु में रेल लाइनों के विद्युतीकरण की स्थिति क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान राज्य में कुल कितने किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण किया गया है;**

**(ख) तमिलनाडु में चल रही विद्युतीकरण परियोजनाओं का और उनके पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है;**

**(ग) क्या सरकार ने देश के पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में रेल लाइनों के विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी है;**

**(घ) उन पिछड़े जिलों की सूची क्या है जहां हाल ही में विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया गया है;**

**(ङ) क्या रेल लाइनों के विद्युतीकरण को सिगनल और रेलपथ अवसंरचना के आधुनिकीकरण से जोड़ा जा रहा है; और**

**(च) यदि हां, तो विद्युतीकरण कार्य के साथ-साथ कार्यान्वित की जा रही आधुनिकीकरण परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (च) भारतीय रेल ने पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों सहित बड़ी लाइन नेटवर्क के विद्युतीकरण को मिशन मोड में शुरू किया है। इस मिशन के भाग के रूप में, वर्ष 2014-24 और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:**

| अवधि | मार्ग कि.मी. |
|---|---|
| वर्ष 2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष) | 21,801 |
| 2014-24 | 44,199 |

तमिलनाडु राज्य में बड़ी लाइनों के कुल 3,898 मार्ग कि.मी. में से 3,659 मार्ग कि.मी. पहले से ही विद्युतीकृत है और शेष 239 मार्ग कि.मी. खंड का विद्युतीकरण कार्य आरंभ कर दिया गया है जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

| क्रम सं. | खंड | मार्ग कि.मी. |
|---|---|---|
| 1 | तिरुतुरैपुंडी - कराईकुडी | 117 |
| 2 | रामनाथपुरम - रामेश्वरम | 53 |
| 3 | तिरुतुरैपुंडी - अगस्तियंमपल्लि | 37 |
| 4 | तिरुवारूर - तिरुतुरैपुंडी | 26 |
| 5 | वालाजा रोड - रानीपेट्टई | 6 |
| | कुल | 239 |

पिछले तीन वर्षों के दौरान, तमिलनाडु राज्य में 1,077 मार्ग कि.मी. रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है

विद्युतीकरण परियोजना(ओं) का पूरा होना वन्य स्वीकृतियों, आने वाली ट्रांसमिशन लाइनों के लिए मार्गाधिकार का प्रावधान और इसकी कमीशनिंग, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक एवं स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना (परियोजनाओं के) स्थल में कानून व्यवस्था की स्थिति, परियोजना विशेष स्थल के लिए वर्ष के दौरान कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

भारत में रेल लाइनों का विद्युतीकरण देश के आधुनिकीकरण प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बहरहाल, विद्युतीकरण रेलपथ/सिगनल संबंधी अवसंरचनाओं के आधुनिकीकरण से संबद्ध नहीं है।

*****